आशा कार्यकर्ता के अनूठे प्रयासों से हुआ रक्तदान

शहडोल जिले के सुभाषपुरा विकासखण्ड क्षेत्र के कुरटमा गांव में कार्यरत आशा कार्यकर्ता माधवी जैसवाल विगत 5 वर्षों से सक्रिय हैं। प्रसव के लिये महिलाओं को रैफर कराने के बाद जिला चिकित्सालय शहडोल में सबसे बड़ी समस्या सामने आती थी रक्त न मिल पाना। गांव के लोग रक्तदान नही करते हैं इसको लेकर उनके मन में तरह–तरह की भ्रांतियां हैं, स्थिति यह सामने आती थी कि गांव का आदमी अपने परिजन को मरते हुये देख सकता है पर खून नही देता। उसे डर है कि एक बार खून निकल गया तो फिर नहीं बनेगा। इन परिस्थितियों से निपटना आशा कार्यकर्ता के लिये सबसे बड़ी चुनौती थी।

आशा कार्यकर्ता माधवी ने "जहां चाह वहां राह" की कहावत को चरितार्थ करते हुये अपने गांव के लोगों से रक्तदान के लिये कहा मगर प्रयास सफल नहीं हुआ। वह उन्हें समझाने का प्रयत्न करती रही। माधवी ने इस काम की पहल करते हुये खुद रक्तदान किया इसके बारे में अपने गांव के लोगों को समझाया। माधवी का प्रत्यक्ष उदाहरण देखने के बाद गांव के कुछ लोग रक्तदान के लिए तैयार हो गये। लगभग 6 माह पूर्व कुरटमा गांव से शुरू किये गये इस प्रयास का परिणाम यह निकला कि अब शहडोल जिले की आदर्श आशा के रूप में माधवी का अनुसरण करते हुए सैकड़ों अन्य आशा कार्यकर्ताओं ने भी यह पुण्य कार्य शुरू कर दिया हैं। शहडोल के कुशाभाऊ ठाहरे जिला अस्पताल में अब आशा, ऊषा कार्यकर्ताओं के साथ–साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण "ब्लड डोनर" नियमित रक्तदान कर रहे हैं। पर्याप्त मात्रा में रक्त उपलब्ध होने से अब महिलाओं एवं अन्य गंभीर मरीजों को मृत्यु से बचाया जाना आशान हो गया है। आशा कार्यकर्ता द्वारा किया गया यह प्रयास अपने आप में अनूठा एवं उल्लेखनीय हैं जिसमें सीमित संसाधनों के बीच कर्तव्यनिष्ठा की झलक दिखती हैं जो सभी के लिये प्रेरणादायी कही जा सकती है।